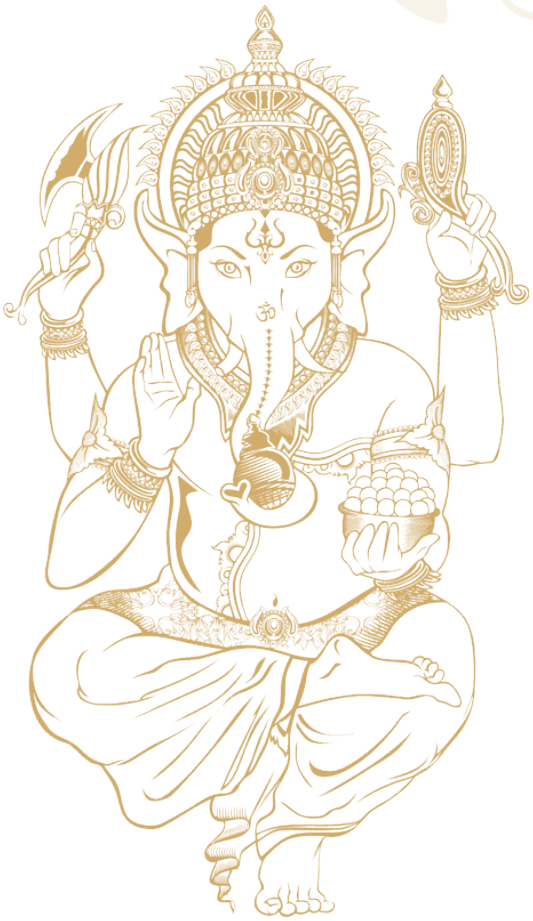

15 Jan 2026

10:56 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120936903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:56:00 घंटे**
इष्ट	09:11:47 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:34:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:20 घंटे
साम्पातिक काल	18:13:36 घंटे
सूर्योदय	07:15:17 घंटे
सूर्यास्त	17:46:04 घंटे
दिनमान	10:30:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:50:28 मकर
लग्न के अंश	10:37:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:37:55	514:24:43	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			मक	00:50:28	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	20:34:44	11:56:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		प	धनु	29:26:00	00:46:31	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	26:46:31	01:37:20	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:13:51	00:08:02	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		प	मक	02:52:50	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	02:55:24	00:04:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:46:15	00:08:28	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:46:15	00:08:28	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:24:29	00:01:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:30:56	00:01:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:56:17	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	08:53:55	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

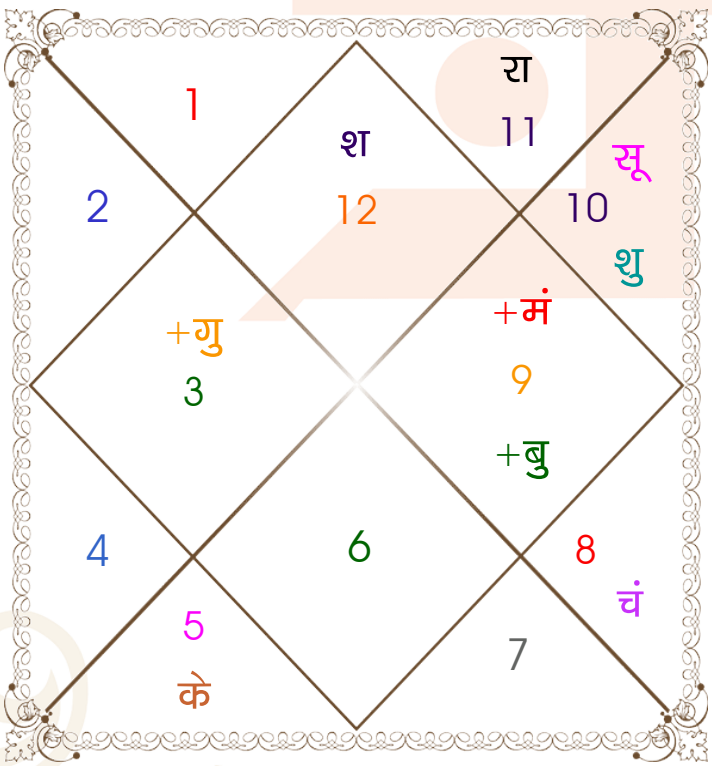

चन्द्र कुंडली

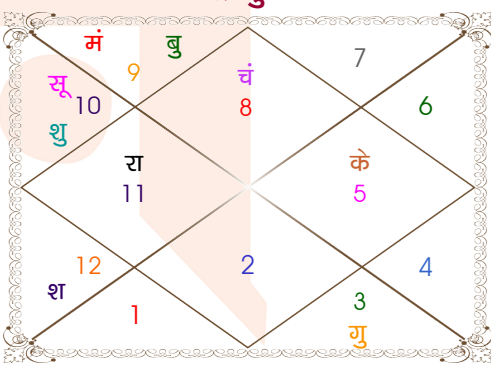

नवमांश कुंडली

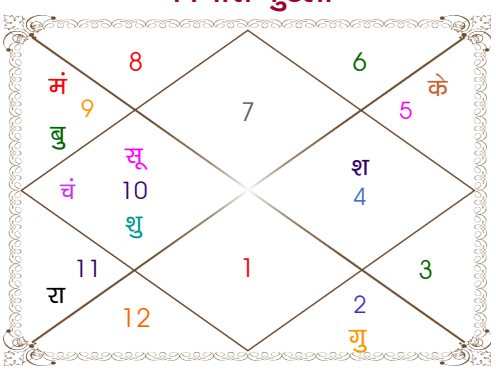

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 0 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/01/2026		19/01/2038		19/01/2045		19/01/2065		20/01/2071	
19/01/2038		19/01/2045		19/01/2065		20/01/2071		19/01/2081	
	00/00/0000	केतु	17/06/2038	शुक्र	21/05/2048	सूर्य	09/05/2065	चंद्र	20/11/2071
	15/01/2026	शुक्र	18/08/2039	सूर्य	21/05/2049	चंद्र	07/11/2065	मंगल	20/06/2072
शुक्र	15/04/2027	सूर्य	23/12/2039	चंद्र	20/01/2051	मंगल	15/03/2066	राहु	20/12/2073
सूर्य	19/02/2028	चंद्र	23/07/2040	मंगल	21/03/2052	राहु	07/02/2067	गुरु	21/04/2075
चंद्र	21/07/2029	मंगल	20/12/2040	राहु	21/03/2055	गुरु	26/11/2067	शनि	19/11/2076
मंगल	18/07/2030	राहु	07/01/2042	गुरु	19/11/2057	शनि	07/11/2068	बुध	21/04/2078
राहु	03/02/2033	गुरु	14/12/2042	शनि	19/01/2061	बुध	13/09/2069	केतु	20/11/2078
गुरु	12/05/2035	शनि	23/01/2044	बुध	20/11/2063	केतु	19/01/2070	शुक्र	20/07/2080
शनि	19/01/2038	बुध	19/01/2045	केतु	19/01/2065	शुक्र	20/01/2071	सूर्य	19/01/2081

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/01/2081		20/01/2088		20/01/2106		20/01/2122		20/01/2141	
20/01/2088		20/01/2106		20/01/2122		20/01/2141		00/00/0000	
मंगल	17/06/2081	राहु	02/10/2090	गुरु	10/03/2108	शनि	23/01/2125	बुध	19/06/2143
राहु	06/07/2082	गुरु	25/02/2093	शनि	21/09/2110	बुध	03/10/2127	केतु	15/06/2144
गुरु	12/06/2083	शनि	02/01/2096	बुध	27/12/2112	केतु	11/11/2128	शुक्र	16/01/2146
शनि	20/07/2084	बुध	21/07/2098	केतु	03/12/2113	शुक्र	12/01/2132		00/00/0000
बुध	18/07/2085	केतु	08/08/2099	शुक्र	03/08/2116	सूर्य	24/12/2132		00/00/0000
केतु	14/12/2085	शुक्र	09/08/2102	सूर्य	22/05/2117	चंद्र	25/07/2134		00/00/0000
शुक्र	13/02/2087	सूर्य	04/07/2103	चंद्र	21/09/2118	मंगल	03/09/2135		00/00/0000
सूर्य	21/06/2087	चंद्र	02/01/2105	मंगल	28/08/2119	राहु	10/07/2138		00/00/0000
चंद्र	20/01/2088	मंगल	20/01/2106	राहु	20/01/2122	गुरु	20/01/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 11 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।